NATIONAL EDUCATION POLICY-2020

Common Minimum Syllabus for all Uttarakhand State Universities and Colleges for First Three Years of Higher Education

PROPOSED STRUCTURE OF
UG - HINDI
SYLLABUS

2021

Curriculum Design Committee, Uttarakhand

Sr.No.	Name & Designation	
1.	Prof. N.K. Joshi Vice-Chancellor , Kumaun University Nainital	Chairman
2.	Prof. O.P.S. Negi Vice-Chancellor , Uttarakhand Open University	Member
3.	Prof. P. P. Dhyani Vice-Chancellor , Sri Dev Suman Uttarakhand University	Member
4.	Prof. N.S. Bhandari Vice-Chancellor, Soban Singh Jeena University Almora	Member
5.	Prof. Surekha Dangwal Vice-Chancellor, Doon University, Dehradun	Member
6.	Prof. M.S.M. Rawat Advisor, Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan, Uttarakhand	Member
7.	Prof. K. D. Purohit Advisor, Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan, Uttarakhand	Member

Syllabus checked and modified by:

S.N.	Name	Designation	Department	Affiliation
1	Prof. Aashish Tripathi	Professor	Hindi Department	BHU, Varanasi
2	Prof. Kalpanan Pant	Professor	Hindi Department	Shri Dev Suman University, Rishikesh
3	Prof. Chandrakala Rawat	Professor	Hindi Department	DSB Campus, Kumaun University,Nainital
4	Prof. Nirmala Dhaila Bora	Professor	Hindi Department	DSB Campus, Kumaun University,Nainital
5	Prof. Shirish Kumar Mourya	Professor	Hindi Department	DSB Campus, Kumaun University,Nainital
6	Prof. Jagat Singh Bisht	Professor	Hindi Department	Soban Singh Jeena University, Almora
7	Dr. Priti Aryaa	Associate Professor	Hindi Department	Soban Singh Jeena University, Almora

List of all Papers in Six Semester Semester-wise Titles of the Papers in HINDI					
Year	**Sem.**	**Course Code**	**Paper Title**	**Theory/ Practical**	**Credits**
			Certificate Course inARTS-HINDI		
FIRST YEAR	I		प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य Major/Core	Theory	6
			हिन्दीभाषा :व्याकरण Elective	Theory	4
			कुमाउनी अथवा गढ़वाली संस्कृति एवं भाषा/Skill Development Course	Theory	3
	II		हिन्दी कथा साहित्य Major/Core	Theory	6
			प्रयोजन मूलक हिन्दी /Skill DevelopmentCourse	Theory	3
			Diploma in ARTS-HINDI		
SECOND YEAR	III		रीतिकालीन काव्य एवं काव्यांग विवेचन Major/Core	Theory	6
			हिन्दी भाषा : स्वरूप (राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मानक भाषा)Elective	Theory	4
			प्रयोजन मूलक कुमाउनी अथवा गढ़वाली/Skill Development Course	Theory	3
	IV		नाटक एवं स्मारक साहित्य Major/Core	Theory	6
			हिन्दी पत्रकारिता/ Skill Development Course	Theory	3
			Bachelor of ARTS-HINDI		
THIRD YEAR	V		द्विवेदी युगीन एवं छायावादी काव्य Major/Core	Theory	5
			छायावादोत्तर हिन्दी कविता Major/Core	Theory	5
			हिन्दी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली/Project	Project	4
	VI		हिन्दी निबंध Major/Core	Theory	5
			लोक साहित्य Major/Core	Theory	5
			साहित्यिक विचारधाराओं का अध्ययन : भक्ति-आन्दोलन, छायावाद, प्रगतिवाद,राष्ट्रवाद, आधुनिकताबोध, उत्तर आधुनिकता में से कोई एक/Project	Project	4

COURSE INTRODUCTION

Programme Outcomes (POs):

1. साहित्य मानव संवेदना की अभिव्यक्ति का प्रमुख स्रोत रहा है। कलाओं में यह सम्पूर्ण कला है। साहित्य समाज का प्रतिदर्श है। स्नातक उपाधि में इस विषय के चयन व अध्ययन से शिक्षार्थी को साहित्य के सांगोपांग महत्व का ज्ञान होता है।
2. शिक्षार्थी को राष्ट्र की सर्वप्रमुख भाषा हिन्दी के अत्यन्त समृद्ध साहित्य के सम्पूर्णस्वरूप का ज्ञान होता है।
3. शिक्षार्थी को हिन्दी साहित्य की सभी प्रमुख विधाओं का ज्ञान होता है, जिससे उसमें रचनात्मकता का प्रस्फुटन एवं विकास होता है।
4. शिक्षार्थी को जीवन के आजीविकोपार्जनसम्बन्धी पक्ष के रूप में हिन्दी के प्रयोजन मूलक स्वरूप व महत्व का ज्ञान एवं प्रशिक्षण होता है।
5. साहित्य के अध्ययन में अन्य अनुशासनों के सन्दर्भ यथा सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, राजनीतिक, आर्थिक, ऐतिहासिक, पर्यावरणीय आदि समाहित होते हैं। स्नातक में हिन्दीसाहित्य का चयन शिक्षार्थी को समग्र रूप से शिक्षित करता है।
6. शिक्षार्थी संघ लोक सेवा आयोग एवं प्रादेशिक लोक सेवा आयोगों के परीक्षा पाठ्यक्रम में सम्मिलित हिन्दी साहित्य की आधार व अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करता है।

Programme Specific Outcomes (PSOs):

UG I Year / Certificate courseArts with Hindi

1. शिक्षार्थी स्नातक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के अन्तर्गतमुख्य विषय के रूप में हिन्दी की प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता तथा कथा साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
2. शिक्षार्थी स्नातक प्रमाण पत्र पाठ्ठयक्रम के अन्तर्गत वैकल्पिक/सहायक विषय के रूप में हिन्दी व्याकरण का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा। विकल्प के रूप में यह चयन प्रतियोगी परीक्षाओं में सहायक एवं उपयोगी सिद्ध होगा ।
3. शिक्षार्थी प्रमाण् पत्र वर्ष में एवं कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम के रूप में प्रयोजन मूलक हिन्दी का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा।
4. प्रथम वर्ष में शिक्षा में बाधा हो जाने की स्थिति में शिक्षार्थी हिन्दी तथा अन्य विषयोंके साथ स्नातक प्रमाण-पत्र प्राप्त करेगा, जिसका लाभ उसे आजाविका प्राप्त करने में प्राप्त होगा।

Programme specific outcomes (PSOs):

UG II Year/ (Diploma in ARTS with Hindi

1. शिक्षार्थी स्नातकडिप्लोमा पाठ्यक्रम के अन्तर्गतमुख्य विषय के रूप में हिन्दी की रीतिकालीन कविता व काव्यांग परिचय तथा नाटक एवं स्मारक साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
2. शिक्षार्थी स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अन्तर्गत वैकल्पिक/सहायक विषय के रूप में हिन्दी भाषा के स्वरूप का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा। विकल्प के रूप में यह चयन प्रतियोगी परीक्षाओं में सहायक एवं उपयोगी सिद्ध होगा ।
3. शिक्षार्थी डिप्लोमा वर्ष में एवं कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम के रूप में हिन्दी पत्रकारिता का ज्ञान एवं व्यावहारिकप्रशिक्षण प्राप्त करेगा।
4. शिक्षा में बाधा हो जाने की स्थिति में शिक्षार्थी हिन्दी तथा अन्य विषयोंके साथ स्नातक डिप्लोमा प्राप्त करेगा, जिसका लाभ उसे आजीविका प्राप्त करने में प्राप्त होगा।

Programme specific outcomes (PSOs):

UG III Year / Bachelor of ARTS with Hindi

1. शिक्षार्थी स्नातक उपाधि वर्ष पाठ्यक्रम के अन्तर्गतमुख्य विषय के रूप में हिन्दी की द्विवेदीयुगीन, छायावादीतथा छायावादोत्तर एवं समकालीन कविता, हिन्दीनिबन्ध एवं लोक-साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
2. शिक्षार्थी के पास उपधि वर्ष में विगत वर्षों के अध्ययन से हिन्दीसाहित्य के विविध पक्षों तथा उनके अकादमिक स्वरूप ज्ञान होगा, उसे हिन्दी भाषा के व्याकरण एवं स्वरूप का ज्ञान होगा, उसे कार्यालयीहिन्दीतथा पत्रकारिता जैसे रोजगारपरक विषयों का ज्ञान होगा और वह आ्गे की शिक्षा एवं शोध के लिए भाषा तथा साहित्य के उच्चस्तरीय आधारभूत ज्ञान व कुशलता के साथ उपाधि प्राप्त करेगा।

Year wise Structure of UG / BA
(CORE / ELECTIVE COURSES & PROJECTS)

Subject : Hindi

Course/ Entry –Exit Levels	Year	Sem.	Paper 1 Major Course	Credi T	Paper 2 Minor Elective	Credit 4/5/6	Paper 3 Vocational/Skill Development Course	Credit s /hrs	Research Project	Credit/	Total Credits /hrs/
Certificate Course In Arts-HINDI	I	I	प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य	6	हिन्दी भाषा :व्याकरण	4	कुमाउनी अथवा गढ़वाली संस्कृति एवं भाषा	3			13
		II	हिन्दी कथा साहित्य	6			प्रयोजन मूलक हिन्दी	3			09
Diploma in Arts HINDI	II	III	रीतिकालीन काव्य एवं काव्यांग विवेचन	6	हिन्दी भाषा :स्वरूप(राजभाषा, राष्ट्र भाषा, मानक भाषा आदि)	4	प्रयोजन मूलक कुमाउनी अथवा प्रयोजन मूलक गढ़वाली	3			13
		IV	नाटक एवं स्मारकसाहित्य	6			हिन्दी पत्रकारिता	3			09
Bachelor of Arts HINDI	III	V	द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य	5					हिन्दी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी की शब्दावली	4	14
			छायावादोत्तर हिन्दी कविता	5							

		VI	हिन्दी निबंध	5					साहित्यिक विचारधाराओं का अध्ययन : भक्ति-आन्दोलन, छायावाद, प्रगतिवाद,राष्ट्रवाद, आधुनिकताबोध, उत्तरआधुनिकता में से कोई एक	04	14
			लोक साहित्य	5							
Comments											

Internal Assessment & External Assessment			
Internal Assessment	**Marks 25**	**External Assessment**	**Marks 75**
नियतकार्य, समूहचर्चा, कक्षा सेमिनार, मौखिकी आदि		लिखित परीक्षा	

CERTIFICATE COURSE IN UG			
Programme: ***Certificate Course in ARTS-Hindi***		**Year: I**	**Semester:I Paper-I**
Subject: Hindi			
CourseCode:	**Course Title:प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य**		

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आरम्भिक काल की कविता का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।
2.शिक्षार्थी चंदबरदाई, जायसी व तुलसी के कृतित्व को समझने के क्रम में महाकाव्य विधा का शिल्पगत परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।
3.शिक्षार्थी आदिकालीन वीर काव्य का सैद्धान्तिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करताहै।
4.शिक्षार्थी निर्गुण काव्य धारा व संत साहित्य का सैद्धान्तिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी सूफी काव्यधारा, सगुण काव्यधारा तथा उसके अंतर्गत रामभक्ति तथा कृष्णभक्ति शाखा के महत्वपूर्ण काव्य का सैद्धान्तिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	**Min. Passing Marks: 10 +30 =40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	प्राचीन हिन्दी काव्य : परिचय एवं इतिहास	**10**
Unit II	भक्तिकालीन हिन्दी काव्य :भक्ति आन्दोलन,प्रमुख सिद्धान्त, निर्गुणकाव्य – ज्ञानमार्ग, प्रेममार्ग, सगुणकाव्य – रामभक्ति, कृष्णभक्ति, सूफीकाव्य	**10**
Unit III	चंदबरदाई और उनका काव्य (व्याख्या के लिए पृथ्वीराजरासो के पदमावती समय से चयनित कोई 10 अंश	**10**
Unit IV	कबीर और उनका काव्य (साखी से कोई 25 दोहे, जिनमें सभी अंगों का प्रतिनिधित्व हो। रमैनी से कोई 7 पद)	**10**
Unit V	जायसी और उनका काव्य	**10**

	(मानसरोदकखण्ड से 10 चयनित अंश)	
Unit VI	सूरदास और उनका काव्य (विनय के दस तथा भ्रमरगीत के दस चयनित पद)	**10**
Unit VII	तुलसीदास और उनका काव्य (श्रीरामचरितमानस के अयोध्या काण्ड से दस चयनित अंश तथा विनय पत्रिका के दस चयनित पद)	**10**
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total-90

Suggested Reading:

1.प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य- संपादक: डॉ. मानवेन्द्र पाठक, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित काव्य)

2.कबीर: एक नई दृष्टि- डॉ. रघुवंश, लोकभारती, 15एक, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद,

3. जायसी: एक नई दृष्टि- डॉ. रघुवंश, लोकभारती, इलाहाबाद,

4. जायसीतर हिंदी सूफी कवियों की बिम्बयोजना- डॉ. मृदुला जुगरान, सरिता बुक डिपो, नई दिल्ली।

5. जायसी- विजयदेव नारायण साही; हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: *Certificate Course in ARTS – Hindi*	Year: I	Semester:I Paper-II
Subject: Hindi		
CourseCode:	Course Title:हिन्दीभाषा :व्याकरण	

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी हिन्दी भाषा के व्यावहारिकप्रयोजनार्थ वर्तनी एवं शब्दों के मानक स्वरूप का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।
2.शिक्षार्थी व्यावहारिक प्रयोजनार्थ शुद्ध लेखन हेतु हिन्दी की वाक्य-संरचनाएवं व्याकरण का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।
3.शिक्षार्थी को व्यावहारिक-व्यावसायिक प्रयोजनार्थ हिन्दी भाषा की अत्यन्त समृद्ध शब्द सम्पदा तथा उसकी समाहार-समायोजन शक्ति का ज्ञान होता है।
4.शिक्षार्थी कार्यालयी प्रयोजनार्थ पारिभाषिक –प्रति पारिभाषिक शब्दों के प्रयोग का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।

Credits:4	Elective Paper
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	वर्ण विचार : - हिंदी वर्णमाला: स्वर और व्यंजन,वर्णों का उच्चारण और वर्गीकरण	07
Unit II	हिंदी-वर्तनी:हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, शब्द और वर्तनी-विश्लेषण, वर्तनी विषयक अशुद्धियाँ और उनका शोधन।	07
Unit III	शब्द विचार :-व्याकरण के आधार पर शब्दों का वर्गीकरण (विकारी और अविकारी शब्द)	07
Unit IV	हिंदी शब्द रचना- समास, संधि, उपसर्ग, प्रत्यय, शब्द की परिभाषा, रचना के आधार पर शब्द भेद- रूढ़, यौगिक, योगरूढ़; इतिहास के आधार पर- तत्सम्, तद्भव, देशी, देशज, विदेशी और	07

	संकर शब्द। अर्थ के आधार पर पर्यायवाची, विलोम और अनेकार्थी शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द।	
Unit V	पारिभाषिक शब्द: तात्पर्य, परिभाषा। शब्दों के हिंदी प्रतिपारिभाषिक शब्द, हिंदी पारिभाषिक शब्दों के अंग्रेजी प्रतिपारिभाषिक ।	**07**
Unit VI	विराम चिह्न और उनका प्रयोग।	**07**
Unit VII	वाक्य रचना, वाक्य-भेद, वाक्य-विश्लेषण, वाक्य-संश्लेषण, वाक्य-शुद्धि।	**07**
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	49 11 Total - 60

Suggested Reading:

1. हिंदी व्याकरण की सरल पद्धति,बद्रीनाथ कपूरवाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशनचौक।
2. हिंदी व्याकरण,कामता प्रसाद गुरुइलाहाबाद :लोकभारती प्रकाशन।
3. हिंदी व्याकरण विमर्श, तेजपाल चौधरी, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन।
4. हिंदी भाषा: कल आज कल, पूर्णचन्द्रटंडन, मुकेशअग्रवाल, किताबघर : नई दिल्ली।
5. मानक हिंदी व्याकरण और रचना, हरिवंश तरुण, प्रकाशन संस्थान : नई दिल्ली।
6. हिंदी भाषा की संरचना, भोलानाथ तिवारी,नई दिल्ली :वाणी प्रकाशन।
7. हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण,कैलाशचन्द्रभाटिया,तक्षशिला प्रकाशन: नई दिल्ली।
8. अच्छी हिंदी, रामचन्द्र वर्मा, इलाहाबाद :लोकभारती प्रकाशन।
9.हिंदी शब्दानुशासन, किशोरीदास वाजपेयी, वाराणसी :नागरी प्रचारिणी सभा।
10.हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम,रवीन्द्रनाथश्रीवास्तव,नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
अन्य सभी विभाग एवं संकाय

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: ***Certificate Course in ARTS- Hindi***	**Year: I**	**Semester:II Paper-I**

Subject: Hindi

CourseCode :	**Course Title:** हिंदी कथा-साहित्य

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी हिन्दी की कथा परम्परा का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी हिन्दीउपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी हिन्दीकहानी के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास के अध्ययन से उपन्यास विधा का शिल्पगत ज्ञान प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के आधार पर कहानी विधा का शिल्पगत ज्ञान प्राप्त करता है।
6. शिक्षार्थी कथा-साहित्य की समीक्षा का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	**Min. Passing Marks: 10 +30 =40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	हिन्दी में गद्य का आरम्भ : आधुनिककाल	**10**
Unit II	हिन्दी उपन्यास का उद्भव एवं विकास	**10**
Unit III	हिन्दी कहानी का उद्भव एवं विकास	**10**
Unit IV	हिन्दी उपन्यास का शिल्प	**10**
Unit V	हिन्दी कहानी का शिल्प	**10**
Unit VI	त्याग पत्र : जैनेंद्र	**10**
Unit VII	प्रतिनिधि हिन्दी कहानियाँ: उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, नमक का दरोगा – प्रेमचंद, आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद, पाजेब- जैनेन्द्र कुमार, परदा -यशपाल, दोपहर का	**10**

	भोजन – अमरकान्त, वापसी – उषा प्रियंवदा	
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total-90

Suggested Reading:

1. कहानी सप्तक – संपादकः प्रो. नीरजा टंडन, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित कहानियाँ)
2. कहानी: नई कहानी- डॉ. नामवरसिंह, लोकभारती, 15-ए महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद,
3. हिंदी कहानी: पहचानऔरपरख- इंद्रनाथमदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास – इंद्रनाथमदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कहानी: संवाद का तीसरा आयाम- बटरोही, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नईदिल्ली,
6. कहानी की रचना-प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव, लोक भारती प्रकाशन, 15-ए महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद
7. समकालीन हिंदी कहानी- गंगा प्रसाद विमल (सं.), मैकमिलन, दिल्ली।

Suggested Online Link:

DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme:*Diploma Course in ARTS- Hindi*	**Year: II**	**Semester:III Paper-I**
Subject: Hindi		
CourseCode:	**Course Title:**रीतिकालीन काव्य एवं काव्यांग विवेचन	

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी हिन्दीसाहित्य के तीसरे काल रीतिकाल के विषय में ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कविताओं के आधार पर रीतिकालीन कविता की कला और शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी काव्यांग के अन्तर्गतरस के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी काव्यांग के अन्तर्गत छंद के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी काव्यांग के अन्तर्गत अलंकार के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
6. शिक्षार्थी काव्यांग के अन्तर्गतशब्दशक्ति के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	**Min. Passing Marks: 10 +30 =40**
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	रीतिकाल : परिचय व इतिहास	05
Unit II	रीतिकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ	05
Unit III	प्रमुख रीति कालीन कवि : 1. केशवदास(रामचन्द्रिका से दस चयनित अंश)2. बिहारी (सतसई से 25 चयनित दोहे)3. देव (ऋतु वर्णन, शृंगार संयोग-वियोग, भक्ति तथा अध्यात्म के कोई 20 छंद) 4. घनानंद (15 चयनित अंश) 5. भूषण(शिवाजी-महिमा के दस छंद)	20
Unit IV	छंद – निम्नांकित छंदों के लक्षण एवं उदाहरण - दोहा, चौपाई, रोला, सोरठा, सवैया, बरवै, गीतिका, हरिगीतिका, कवित्त, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा	10

Unit V	अलंकार – निम्नांकित अलंकारों के लक्षणएवं उदाहरण - अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, संदेह, भ्रांतिमान, प्रतीप, अतिशयोक्ति, अन्योक्ति, समासोक्ति।	**10**
Unit VI	रस: रसावयव - स्थायीभाव, विभाव, अनुभाव, संचारीभाव।रसभेद - श्रृंगार, हास्य, वीर, अद्‌भुत, करुण, रौद्र, वीभत्स, भयानक, शांत, भक्ति, वात्सल्य – रसों के लक्षण एवं उदाहरण।	**10**
Unit VII	शब्द शक्तियाँ – शब्द शक्तियों का सामान्य परिचय - अभिधा, लक्षणा, व्यंजना, शैली विज्ञान का संक्षिप्त परिचय।	**10**
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total-90

Suggested Reading:

1. रीतिकालीन काव्य- संपादक: प्रो. मानवेन्द्र पाठक, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित काव्य)
2. काव्यप्रदीप – राम बहोरी शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. रीतिकाव्य – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली।
4. मध्यकालीनबोधकास्वरूप- डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली।
5. मध्यकालीन काव्य साधना- डॉ. वासुदेव सिंह, संजय बुक डिपो, वाराणसी।
6. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना – बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. रस, छंद, अलंकार- डॉ. केशवदत्त रुवाली, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा,

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:

DIPLOMA COURSE IN UG

Programme: ***Diploma Course in ARTS- Hindi***	**Year: II**	**Semester:III** **Paper-II**

Subject: Hindi

CourseCode:	Course Title:हिन्दी भाषा :स्वरूप

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी को हिन्दी भाषा के विस्तृत व समृद्ध इतिहास व विकास का ज्ञान होता है।
2. शिक्षार्थी को हिन्दी की शैलियों यथा हिन्दी, हिन्दुस्तानी व उर्दू का ज्ञान होता है, जो भाषा के व्यावहारिक प्रयोग में काम आता है।
3.शिक्षार्थी को हिन्दी की बोलियों का ज्ञान होता है, जिसके आधार पर वह अपने भाषा संस्कारों को समृद्ध करता है तथा सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी का प्रयोग अधिक कुशलता के साथ कर पाता है।
4. शिक्षार्थी को राजभाषा के रूप में हिन्दी की संवैधानिक स्थिति का ज्ञान होता है, जिसकी आवश्यकता उसे सरकारी सेवाओं में होती है।
5. शिक्षार्थी विभिन्नव्यावहारिक व व्यावसायिक प्रयोजनों हेतु हिन्दी के मानकीकृत रूप का ज्ञानव प्रशिक्षण पाता है।
6. शिक्षार्थी कम्प्यूटर व इंटरनेट की तकनीक में हिन्दी के प्रयोग का आरंभिक ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।

Credits:4	**Elective Paper**
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	**Min. Passing Marks: 10 +30 =40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	हिंदी भाषा का उद्भव और विकास।	07
Unit II	हिंदी की शैलियाँ- हिंदी, हिंदुस्तानी, उर्दू।	07
Unit III	हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ- (1) पश्चिमी हिंदी (2) पूर्वी हिंदी (3) राजस्थानी (4) बिहारी (5) पहाड़ी एवं उनकी बोलियाँ।	07

Unit IV	राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मानकभाषा, सम्पर्कभाषा,	10
Unit V	हिन्दी और न्यू मीडिया ।	05
Unit VI	देवनागरी लिपि एवं अंक।	07
Unit VII	निबंध लेखन।	06
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	49 11 Total-60

Suggested Reading:

1डॉ. केशवदत्तरुवाली- हिंदीभाषा: प्रथमभाग, हिंदीभाषा: द्वितीयभाग, हिंदीभाषाशिक्षण, मानकहिंदीज्ञान, हिंदीभाषाऔरव्याकरण, सामान्यहिंदी, हिंदीभाषाकाइतिहास, देवनागरीलिपिऔरअंक, हिंदीभाषाऔरनागरीलिपि।

2. डॉ. धीरेन्द्रवर्मा- हिंदीभाषाकाइतिहास।

3. डॉ. भोलानाथतिवारी- हिंदीभाषा।

4. डॉ. देवेन्द्रनाथशर्मा - हिंदीभाषाकाविकास।

5. डॉ. कैलाशचंद्रभाटिया- प्रशासनमेंराजभाषाकास्वरूपऔरविकास।

6. डॉ. पूरनचंद्रटण्डन- व्यावहारिकहिंदी।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अन्यसभी विभाग एवं संकाय

DIPLOMA COURSE IN UG

Programme:*Diploma Course in ARTS- Hindi*	**Year: II**	**Semester:IV Paper-I**

Subject: Hindi

CourseCode:	**Course Title:** नाटक एवं स्मारक साहित्य

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी नाटक की भारतीय एवं पाश्चात्यपरम्पराओं का ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी नाटक के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक के अध्ययन के आधार पर नाट्यसमीक्षा का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी को हिन्दी में स्मारकसाहित्य लेखन परम्परा का ज्ञान होता है।
5. शिक्षार्थी को स्मारकसाहित्य के स्वरूप व उसकी विधाओं का ज्ञान प्राप्त होता है।
6. शिक्षार्थी को महान साहित्यकारों के जीवन से जुड़ी घटनाओं को पढ़ने से उच्च जीवन मूल्यों की शिक्षा व प्रेरणा प्राप्त होती है।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	**Min. Passing Marks: 10 +30 =40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	नाटक : विधागत स्वरूप, उद्भव एवं विकास	**10**
Unit II	जयशंकर प्रसाद कृत ध्रुवस्वामिनी	**10**

Unit III	स्मारक साहित्य : अर्थएवं स्वरूप, उद्भव एवं विकास	**10**
Unit IV	संस्मरण : तुम्हारी स्मृति–माखन लाल चतुर्वेदी, स्मरण का स्मृतिकार (रायकृष्ण दास) – अज्ञेय, दादा स्वर्गीयपं. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'–डॉ. नगेन्द्र, निराला भाई –महादेवी वर्मा रेखाचित्र : महाकवि जयशंकर प्रसाद –शिवपूजन सहाय, मकदूम बख्श– सेठ गोविन्द दास, एक कुत्ता और एक मैना –हजारी प्रसाद द्विवेदी, ये हैं प्रोफेसर शशांक –विष्णु कान्त शास्त्री	**10**
Unit V	जीवनी एवं आत्मकथा	**10**
Unit VI	यात्रा वृत्त एवं रिपोर्ताज	**10**
Unit VII	स्मारक साहित्य की अन्य विधाएँ	**10**
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total-90

Suggested Reading:

1. स्मरण वीथिका– प्रो. निर्मला ढैला बोरा, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित संस्मरण एवं रेखाचित्र)
2. प्रसाद के नाटक: स्वरूप और संरचना- डॉ. गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, 23/4762, अंसारीरोड, दरियागंज, दिल्ली।
3. हिंदी स्मारक साहित्य- डॉ. केशव दत्त रुवाली एवं डॉ. जगत सिंह बिष्ट, तारा मण्डल, अलीगढ़।
4. स्मारक साहित्य औरउसकी विधाएँ- डॉ. निर्मला ढैला एवं डॉ. रेखाढैला, ग्रंथायन, अलीगढ़।

DEGREE COURSE IN UG		
Programme:*Degree Course in ARTS- Hindi*	Year: III	Semester: V Paper-I

Subject: Hindi	
CourseCode :	**Course Title:द्विवेदी युगीन एवं छायावादी काव्य**

Course Outcomes:

1.शिक्षार्थी हिन्दी के द्विवेदी युग व नवजागरण काल के विषय में ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
2.शिक्षार्थी हिन्दी कविता के छायावाद युग का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
3.शिक्षार्थी खड़ी बोली हिन्दी की आरम्भिक समर्थ काव्य-परम्परा का ज्ञान प्राप्त करता है।
4.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित द्विवेदीयुगीन कविताओं के अध्ययन से तत्कालीनहिन्दी कविता के स्वरूप, महत्व तथा शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।
5.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित छायावादयुगीन कविताओं के अध्ययन से तत्कालीनहिन्दी कविता के स्वरूप, महत्व तथा शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।
6.शिक्षार्थी आधुनिक कविता की समीक्षा का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits:5	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	**Min. Passing Marks: 10 +30 =40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	द्विवेदी युगीन काव्य : युगीन प्रवृत्तियाँ, महत्वऔर संक्षिप्त इतिहास, काव्यभाषा, काव्यशिल्प, काव्यालोचना	08
Unit II	छायावादी काव्य : युगीन प्रवृत्तियाँ, महत्व और संक्षिप्त इतिहास, काव्यभाषा, काव्यशिल्प और काव्यालोचना	09
Unit III	अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध (माँ की ममता, सच्चे देवते तथा साहसी)	08

Unit IV	मैथिली शरण गुप्त (पंचवटी)	08
Unit V	जयशंकर प्रसाद (आँसू तथा गीत)	08
Unit VI	सुमित्रा नंदन पंत (परिवर्तन तथा प्रथम रश्मि)	08
Unit VII	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (वंदना, जुही की कली तथा वह तोड़ती पत्थर)	08
Unit VIII	महादेवी वर्मा (गीत–धीरे धीरे उतर क्षितिज से, बीन भी हूँ मैं, लाए कौन संदेश नए घन, कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो, हे चिर महान, सब बुझे दीपक जला लूँ)	08
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75

Suggested Reading:

1. द्विवेदी युगीन एवं छायावादी काव्य- संपादक: प्रो. चन्द्रकला रावत, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित कविताएँ)
2. छायावाद – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन समूह, नईदिल्ली
3. छायावाद और रहस्यवाद- गंगाप्रसादपाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
4. आधुनिक कविता यात्रा- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
5. निराला: मूल्यांकन- इन्द्रनाथ मदान, लोकभारतीप्र काशन, इलाहाबाद,
6. पंत की काव्यभाषा- कांतापंत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
7. छायावाद की परिक्रमा- डॉ. श्याम किशोर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,

DEGREE COURSE IN UG		
Programme:*Degree Course in ARTS- Hindi*	**Year: III**	**Semester: V Paper-II**

Subject: Hindi

CourseCode:	**Course Title:छायावादोत्तर हिंदी कविता**

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी छायावादोत्तरी कविता का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में प्रगतिवाद का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में प्रयोगवाद का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
6. शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में नयी कविता का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
7. शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में समकालीन कविता का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits:5	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	**Min. Passing Marks: 10 +30 =40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	प्रगतिवाद : विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएँ, महत्व प्रमुख कवि	14
Unit II	प्रयोगवाद : विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएँ, महत्व प्रमुख कवि	08

Unit III	नयी कविता : विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएँ, महत्व प्रमुख कवि	08
Unit IV	समकालीन हिन्दी कविता : विविध विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएँ, महत्व प्रमुख कवि	15
Unit V	कविताएँ एवं व्याख्या - 1 अज्ञेय (कलगी बाजरे की,यह दीप अकेला) 2. मुक्तिबोध (भूल-गलती, एक रग का राग) 3. नागार्जुन (कालिदास, अकाल और उसके बाद) 4. शमशेर बहादुर सिंह (सूना-सूना पथ है उदास झरना,वह सलोना जिस्म) 5. कुँवर नारायण (नचिकेता) 6. भवानी प्रसाद मिश्र (कहीं नहीं बचे,गीतफ़रोश) 7. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (मैंने कब कहा,हम ले चलेंगे) 8. केदारनाथ सिंह (रचना की आधी रात, फ़र्कनहीं पड़ता) ।	20
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75

Suggested Reading:

1. छायावादोत्तर हिंदी कविता- संपादक: प्रो. शिरीष कुमार मौर्य, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी(व्याख्या हेतु संकलित कविताएं)
2. नई कविताएँ: एक साक्ष्य- डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
3. नयी कविता: नये कवि- डॉ. विश्वम्भर मानव, लोक भारती, इलाहाबाद,
4. हिंदी के आधुनिक कवि- डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा,
5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां – नामवर सिंह,लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
6. छायावादोत्तर हिन्दी कविता के प्रतिमान – प्रो. निर्मला ढैला बोरा, आधार शिला प्रकाशन, हल्द्वानी
7. छायावाद की परिक्रमा- डॉ. श्याम किशोर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,

DEGREE COURSE IN UG			
Programme:*Degree Course in ARTS- Hindi*		**Year: III**	**Semester: V Project**
Subject: Hindi			
CourseCode:	**Course Title:** लघु शोध अध्ययन एवं कार्य –हिन्दी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली		
Course Outcomes: शिक्षार्थी इस लघुशोधात्मक अध्ययन एवं कार्य के माध्यम से हिन्दी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली का ज्ञान प्राप्त करता है। विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में हिन्दी के प्रसार के लिए यह अध्ययन आवश्यक है।			
Credits:4		**Project**	
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100		**Min. Passing Marks: 10 +30 =40**	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली : परिभाषा एवं अर्थ। वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग –स्थापना, इतिहास, उद्देश्य आदि	20
Unit II	वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली : चयन एवं निर्माण, प्रकिया एवं महत्व	20
Unit III	वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली : समस्याएं और समाधान	20
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	Total-60

DEGREE COURSE IN UG		
Programme:*Degree Course in ARTS- Hindi*	**Year: III**	**Semester: VI** **Paper-I**

Subject:
Hindi

CourseCode:	Course Title: हिंदी निबंध

Course Outcomes:
1. शिक्षार्थी निबंध विधा के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करता है।
2.शिक्षार्थी हिन्दी में निबंध विधा के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।
3.शिक्षार्थी सामाजिक व साहित्यिक विषयों से निबंध के वैचारिक सम्बन्ध तथा अभिव्यक्ति का ज्ञान प्राप्त करता है।
4.शिक्षार्थी निबंध के प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
5.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंधकारों के अध्ययन से विचार के क्षेत्र में मौलिक अभिव्यक्ति का ज्ञान एवं प्रशिक्षण
प्राप्त करता है।

Credits:5	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	**Min. Passing Marks: 10 +30 =40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	निबन्ध विधा – परिचय, स्वरूप, शिल्प तथा प्रकार उद्भव एवं विकास	09
Unit II	बाल कृष्ण भट्ट -आरम्भ (साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है)	08

Unit III	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी– नीति विचार (कछुआ धर्म)	08
Unit IV	रामचन्द्रशुक्ल–साहित्य (कविता क्या है)	08
Unit V	महादेवी वर्मा - स्त्री (जीने की कला)	08
Unit VI	हजारी प्रसाद द्विवेदी-संस्कृति (अशोक के फूल)	08
Unit VII	हरि शंकर परसाई–व्यंग्य (पगडंडियों का ज़माना)	08
Unit VIII	विद्या निवास मिश्र – ललित (अस्ति की पुकार)	08
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75

Suggested Reading:

1. प्रतिनिधि हिंदी निबंध- संपादक: प्रो. नीरजाटंडन, अंकितप्रकाशन, हल्द्वानी(व्याख्या हेतु संकलित निबन्ध)
2. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार- डॉ. हरिमोहन, तक्षशिलाप्रकाशन, 23/4762, अंसारीरोड, दरियागंज, दिल्ली।
3. हिंदी साहित्य में निबंध और निबंधकार- डॉ. गंगाप्रसाद, रचनाप्रकाशन, इलाहाबाद।
4. हिंदी गद्य: विन्यास और विकास- डॉ. रामस्वरूपचतुर्वेदी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।

DEGREE COURSE IN UG			
Programme:*Degree Course in ARTS- Hindi*		**Year: III**	**Semester: VI** **Paper-II**
Subject: **Hindi**			
CourseCode:	**Course Title:**लोक साहित्य		

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी साहित्य के लोकपक्ष का ऐतिहासिकतथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
2.शिक्षार्थी लोक साहित्य के स्वरूप, अध्ययनकी प्रविधियों, संकलन प्रक्रिया आदि का प्रशिक्षण एवं ज्ञान प्राप्त करता है।
3.शिक्षार्थी लोक संस्कृति का ज्ञान प्राप्त करता है।
4.शिक्षार्थी लोकगीतों के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिकस्रोतोंतथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
5.शिक्षार्थी लोक नाट्य के स्वरूप, उसके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतोंतथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
6.शिक्षार्थी लोककथाओं के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतोंतथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
7.शिक्षार्थी लोकगाथाओं के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतोंतथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
8. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित लोक साहित्य के अध्ययन द्वारा लोक का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits:5	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	**Min. Passing Marks: 10 +30 =40**
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0	

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	लोक-साहित्य : परिभाषा, स्वरूप, लोक संस्कृतिअध्ययन की प्रक्रिया, संकलन प्रविधि और समस्याएँ	15

Unit II	लोक-गीत : अर्थ एवं स्वरूप, संस्कार-गीत, व्रत-गीत, श्रम परिहार-गीत, ऋतु-गीत	12
Unit III	लोक-नाट्य : अर्थ एवं स्वरूप, विविध रूप–रामलीला, स्वाँग, यक्षगान, भवाई, नाच, तमाश, नौटंकी, जात्रा, कथकली	12
Unit IV	लोक-कथा : अर्थ एवं स्वरूप, प्रकार -व्रत-कथा, परीकथा, नाग-कथा, बोध-कथा, कथानक रूढ़ियाँ एवं अभिप्राय,	12
Unit V	लोक-गाथा : अर्थ एवं स्वरूप, उत्पत्ति, परम्परा, सामान्यप्रवृत्तियाँ, प्रसिद्ध लोक-गाथाएँ–राजुला-मालूशाही, गौरा-माहेश्वरी, तीलूरौतेली	14
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75

Suggested Reading:

1. लोकसाहित्य–सम्पादक :प्रो. चन्द्रकलारावत, देवभूमिप्रकाशन, हल्द्वानी(व्याख्या हेतु संकलित लोकसाहित्य)
2. लोक साहित्य की भूमिका :कृष्णदेवउपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. लोक और शास्त्र – अन्वय और समन्वय :विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय लोक साहित्य :श्यामपरमार, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
5. लोक साहित्य का अध्ययन : डॉ. त्रिलोचन पांडेय

DEGREE COURSE IN UG		
Programme:*Degree Course in ARTS- Hindi*	Year: III	Semester: VI Project
Subject: Hindi		

CourseCode :	Course Title:लघुशोधअध्ययन एवं कार्य – साहित्यिक विचारधाराओं का अध्ययन

Course Outcomes:

शिक्षार्थी इस लघु शोधात्मक अध्ययन एवं कार्य के माध्यम से हिन्दी की साहित्यिक विचारधाराओं का ज्ञान प्राप्त करता है। हिन्दी साहित्य में उच्चस्तरीय शोध के लिए यह पूर्व-अध्ययन अत्यन्त आवश्यक है।

Credits:4	Project
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures/Hours
Unit I	निम्नांकित विचारधाराओं अथवा साहित्यआन्दोलनों में से किसी एक पर लघुशोधात्मकअध्ययन एवं कार्य करना है – 1. भक्ति-आन्दोलन 2. छायावाद 3. प्रगतिवाद 4. राष्ट्रवाद 5. आधुनिकताबोध 6. उत्तरआधुनिकता	60
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	Total-60